अव्यक्त बापदादा की अति स्नेही, त्यागी-तपस्वीमूर्त सभी टीचर्स बहनें एवं ब्राह्मण कुलभूषण को मधुबन तपोभूमि से दादी कॉटेज से प्रकाश भाई की ओर से मधुर ईश्वरीय याद स्वीकार करना जी।

जैसा कि आपको मालूम है कि मेरी लौकिक माता जी, जिनकी आयु 98 वर्ष थी, जोकि पिछले 50 वर्षों से ईश्वरीय ज्ञान में चल रहे थे, पिछले 5 वर्षों से सेवाकेन्द्र पर ही अपनी सेवाएँ दे रही थीं। दिनांक 8 जून, 2020, सायं 9 बजे बाबा की गोद ले ली। उनके अन्तिम संस्कार में शामिल नहीं हो सके। दिनांक 21 जून, 2020 को श्रद्धांजलि कार्यक्रम में विशेष हिमाचल सरकार की स्वीकृति से दो दिन के लिए कार्यक्रम में जाना हुआ। उनके अन्तिम श्रद्धांजलि कार्यक्रम में शहर के सभी गणमान्य व्यक्तिगण जिनमें पूर्व साँसद भ्राता सुरेश चंदेल जी, करसोग विधानसभा के विधायक भ्राता हीरालाल जी, मण्डी सब-ज़ोन की बी.के. शीला बहन, सोलन से बी.के. सुषमा बहन, सुन्दर नगर से बी.के. शिखा बहन, कोटली से बी.के. पार्वती बहन, करसोग से बी.के. नीतू बहन के साथ-साथ लगभग 125 भाई-बहनों आदि ने सोशल डिसटेंस का पालन करते हुए उनको भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। बाद में सभी को ब्रह्मा-भोजन तथा ईश्वरीय सौगात प्रदान की गई।

उनके निमित्त मधुबन के तीनों स्थानों (पाण्डव भवन, ज्ञानसरोवर तथा शान्तिवन) में दिनांक 25 जून को ब्रह्मा-भोजन खिलाकर सर्व आत्माओं की दुआएँ लेते हुए वो आत्मा अगले पार्ट के लिए रवाना हुईं।

उनके जीवन पर आधारित एक डाक्यूमैन्ट्री भी बनाई गई है, जो आप लोगों को लिंक द्वारा इस समाचार के साथ संलग्न की जा रही है।

अच्छा जी, सभी को ईश्वरीय याद, ओमशान्ति।

ईश्वरीय सेवा में

(बी.के. प्रकाश)

दादी कॉटेज, ब्रह्माकुमारीज़ (शान्तिवन)